अध्याय-I

राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (विद्युत क्षेत्र) का वित्तीय प्रदर्शन

अध्याय-I

राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (विद्युत क्षेत्र) का वित्तीय प्रदर्शन

1.1 परिचय

31 मार्च 2020 तक राज्य में चार[11] विद्युत क्षेत्र के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम है। सभी चार कार्यशील विद्युत क्षेत्र के उद्यम नियंत्रक एवं महा-लेखापरीक्षक की लेखापरीक्षा के अधीन आते है। चार कार्यशील उद्यमों में दो उत्पादन में (हिमाचल प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड तथा ब्यास वैली पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड), एक दोनों क्रमश: उत्पादन एवं संचरण में (हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड) तथा शेष एक संचरण (हिमाचल प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड) क्षेत्र में है। ब्यास वैली पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड, हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड की सहायक कंपनी है। इस खंड में राज्य के विद्युत क्षेत्र में सभी चार कार्यशील उद्यमों का वित्तीय प्रदर्शन सम्मिलित किया गया है। दो उद्यमों[12] के वित्तीय विवरणों को वर्ष 2017-18 तक तथा राज्य के अन्य दो विद्युत क्षेत्र के उद्यमों[13] को वर्ष 2018-19 तक के वित्तीय विवरणियों को 31 दिसम्बर 2020 तक नवीनतम अन्तिम रूप दिया जा चुका है।

31 दिसम्बर 2020 तक विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के नवीनतम अंतिम रूप दिए गए लेखाओं तक के वित्तीय विवरणों का सारांश

उद्यमों की संख्या	4
लेखापरीक्षा में सम्मिलित उद्यमों की संख्या	4
प्रदत्त पूंजी	₹3,142.57 करोड़
हिमाचल प्रदेश सरकार की इक्विटी निवेश	₹1,415.95 करोड़
दीर्घावधि ऋण	₹8,444.55 करोड़
शुद्ध लाभ (एक उद्यम)	₹3.66 करोड़
शुद्ध हानि (दो उद्यम)	₹120.04 करोड़
विद्युत क्षेत्र के उद्यम जिन्होंने प्रथम लाभ एंव हानि लेखे तैयार नहीं किये	एक
लाभांश घोषित किया	कोई नहीं
कुल सम्पतियाँ	₹19,336.49 करोड़
टर्नओवर	₹6,622.45 करोड़
नेटवर्थ*	₹1,438.45 करोड़
संचित हानियां	₹1,704.12 करोड़

स्रोत: *31 दिसम्बर 2020 तक विद्युत क्षेत्र उद्यमों के नवीनतम अंतिम रूप दिए गए लेखाओं के अनुसार जानकारी*

नेटवर्थ= प्रदत्त पूंजी का अंश + मुक्त भंडार व अधिशेष - संचित हानियाँ - अस्थगित राजस्व व्यय

---

11 *हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड, हिमाचल प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड, हिमाचल प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड और ब्यास वैली पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड।*

12 *हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड और हिमाचल प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड।*

13 *हिमाचल प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड और ब्यास वैली पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड।*

सकल घरेलू उत्पाद के सापेक्ष विद्युत क्षेत्र के सार्वजनिक उद्यम के टर्नओवर का अनुपात राज्य अर्थव्यवस्था में सार्वजनिक उद्यमों की योगदान गतिविधियों को दर्शाता है। मार्च 2020 को समाप्त होने वाले पांच वर्षों की अवधि के लिए विद्युत क्षेत्र के उद्यमों एवं हिमाचल प्रदेश के सकल राज्य घरेलू उत्पाद के टर्नओवर का विवरण नीचे **तालिका 1.1** में दिया गया है।

तालिका-1.1: विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के टर्नओवर तथा हिमाचल प्रदेश के सकल राज्य घरेलू उत्पाद का तुलनात्मक विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
टर्नओवर	5,093.79	5,599.56	5,993.79	6,325.56	6,622.45
हिमाचल प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद	1,14,239	1,25,634	1,38,351	1,53,845	1,65,472
हिमाचल प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद में टर्नओवर की प्रतिशतता	4.46	4.46	4.33	4.11	4.00

स्रोत: *राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों एवं हिमाचल प्रदेश सरकार।*

पिछले वर्षों में विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के टर्नओवर में निरंतर वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2015-20 की अवधि के दौरान टर्नओवर में वृद्धि 4.69 प्रतिशत व 9.93 प्रतिशत के मध्य रही, जबकि इसी अवधि के दौरान हिमाचल प्रदेश की सकल राज्य घरेलू उत्पाद में वृद्धि 7.56 प्रतिशत व 11.20 प्रतिशत के बीच रही। चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि-दर विभिन्न समयावधियों में विकास दर मापने की एक उपयोगी पद्धति होती है। विगत पांच वर्षों के दौरान सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 9.71 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि-दर के प्रति विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के टर्नओवर में 6.78 प्रतिशत की कम चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि-दर दर्ज हुआ। इसके परिणामस्वरूप इन विद्युत क्षेत्र के उद्यम की सकल राज्य घरेलू उत्पाद में टर्नओवर की हिस्सेदारी 2015-16 में 4.46 प्रतिशत से घटकर 2019-20 में 4.00 प्रतिशत रही।

1.2 राज्य में विद्युत की मांग, उपलब्धता एवं आपूर्ति की स्थिति

2015-16 से 2019-20 के दौरान विद्युत की अधिकतम मांग, उसकी उपलब्धता एवं राज्य की स्वयं की विद्युत उत्पादन[14] व वितरण सेवा, हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड द्वारा भागीदारी नीचे **तालिका-1.2** में दी गई है।

[14] *हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड के अलावा, हिमाचल प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड भी विद्युत उत्पादन कर रहा है। हालांकि, उत्पादित अधिकांश विद्युत की आपूर्ति राज्य को नहीं की जाती है। ब्यास वैली पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड ने अभी तक वाणिज्यिक परिचालन शुरू नहीं किया है।*

तालिका-1.2: हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड के विद्युत उत्पादन का विवरण

वर्ष	हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड की स्थापित क्षमता	अधिकतम मांग	विद्युत की उपलब्धता	कुल विद्युत आपूर्ति	हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड द्वारा आपूरित विद्युत	हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड का कुल आपूर्ति में हिस्सा
	(मेगावाट में)			(मिलियन यूनिट में)		*(प्रतिशत में)*
2015-16	487.45	1,488	1,488	8,758	1,455	17
2016-17	487.45	1,499	1,499	8,779	1,491	17
2017-18	487.45	1,594	1,594	9,345	1,837	20
2018-19	487.45	1,700	1,700	9,618	1,956	20
2019-20	487.45	1,786	1,786	10,353	2,122	20

स्रोतः *केन्द्रीय विद्युत प्राधिकारण और हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड के विद्युत के वार्षिक लेखों की लोड जनरेशन बैलेंस रिपोर्ट।*

राज्य अपनी अधिकतम मांग की पूर्ति अनुबंधों (विद्युत खरीद अनुबंध), पावर ग्रिड के माध्यम से अनिर्धारित इन्टरचेंज (UI)[15] के तहत् विद्युत की खरीद व आहरण के द्वारा कर सका। साथ ही, बढ़ती हुई मांग की आपूर्ति करने के लिए अपनी स्थापित क्षमता में बढ़ौतरी[16] न होने के कारण राज्य में विद्युत की कुल आपूर्ति में हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड की भागीदारी लगभग स्थिर रही।

1.3 विद्युत क्षेत्र के उद्यमों में निवेश

31 मार्च 2020 तक चारों विद्युत क्षेत्र के उद्यमों की इक्विटी व ऋण में कुल निवेश **तालिका-1.3** में दर्शाया गया है।

तालिका-1.3: राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों में इक्विटी निवेश एवं ऋण

(₹ करोड़ में)

निवेश का स्रोत	31 मार्च 2019 तक			31 मार्च 2020 तक		
	इक्विटी	दीर्घावधि ऋण	कुल	इक्विटी	दीर्घावधि ऋण	कुल
राज्य सरकार	1,635.95	6,393.82	8,029.77	1,890.59	6,961.18	8,851.77
राज्य सरकार की कंपनिया/कारपोरेशन	430.77	-	430.77	430.77	-	430.77
वित्तीय संस्थान एंव अन्य	1,295.86	3,142.82	4,438.68	1,295.86	3,633.91	4,929.77
कुल	**3,362.58**	**9,536.64**	**12,899.22**	**3,617.22**	**10,595.09**	**14,212.31**
कुल निवेश में राज्य सरकार के निवेश का प्रतिशत	48.65	67.04	62.25	52.27	65.70	62.28

स्रोत: *विद्युत क्षेत्र के उद्यमों से प्राप्त संकलित जानकारी।*

---

15 *वास्तविक आहरण घटा कुल अनुसूचित आहरण।*

16 *हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड द्वारा 2017-18 द्वारा बढ़ी हुई बिजली आपुर्ति का कारण भाभा एचईपी को उसकी इष्टतम क्षमता की बहाली के कारण था जो जनवरी 2016 में आग में क्षतिग्रस्त हो गया था।*

31 मार्च 2020 तक चारों विद्युत क्षेत्र के उद्यमों में कुल निवेश (इक्विटी एवं दीर्घावधि ऋण) ₹14,212.31 करोड़ था तथा इसमें 31 मार्च 2019 की तुलना में ₹1,313.09 करोड़ की वृद्धि हुई। 2019-20 के दौरान राज्य सरकार द्वारा इक्विटी के रूप में हिमाचल प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड में उल्लेखनीय निवेश (₹165.00 करोड़) किया गया।

हिमाचल प्रदेश सरकार वार्षिक बजट के माध्यम से विद्युत क्षेत्र के उद्यमों को विभिन्न रूपों में वित्तीय सहायता प्रदान करती है। मार्च 2020 को समाप्त विगत तीन वर्षों हेतु विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के सम्बन्ध में वर्ष के दौरान इक्विटी, ऋण अनुदान/सब्सिडी, बट्टे खाते में डाले गए ऋण एवं इक्विटी में परिवर्तित ऋणों के प्रति बजटीय बहिर्गमन का सारांशित विविरण **तालिका-1.4** निम्नवत है:

तालिका-1.4: विगत तीन वर्षों के दौरान विद्युत क्षेत्र के उद्यम को बजटीय सहायता का विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण[17]	**2017-18**		**2018-19**		**2019-20**	
	विद्युत क्षेत्र के उद्यमों की संख्या	**राशि**	**विद्युत क्षेत्र के उद्यमों की संख्या**	**राशि**	**विद्युत क्षेत्र के उद्यमों की संख्या**	**राशि**
इक्विटी पूंजी	3	182.11	3	250.00	3	254.64
दिए गए ऋण	1	262.68	1	365.00	1	567.36
अनुदान/ सब्सिडी प्रदान की गई	1	6.00	2	24.00	1	20.00
कुल निकास		**450.79**	**-**	**639.00**	**-**	**842.00**
ऋण पुर्नभुगतान को बट्टे खाते में भेजना	-	-	-	-	-	-
इक्विटी में परिवर्तित ऋण	-	-	-	-	-	-
वर्ष के दौरान जारी की गई गारंटियां	1	-	-	-	2	565.00
गारंटी प्रतिबद्धता बकाया	1	3,715.50	-	-	2	1,250.91

स्रोतः *वर्ष 2019-20 में राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों से प्राप्त जानकारी एवं अंतिम रुप दिए लेखाओं के आधार पर संकलित।*

[17] *राशि केवल राज्य के बजट से दी जाने वाली राशि का प्रतिनिधित्व करती है। राज्य के बजट से ब्यास वैली पॉवर* कारपोरेशन *लिमिटेड को राज्य द्वारा कोई बजटीय सहायता नहीं दी गई थी।*

1.3.1 इक्विटी में निवेश

वर्ष 2019-20 के दौरान, विद्युत क्षेत्र के चारों उद्यमों में किए गए निवेश में ₹254.64 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गई।

31 मार्च 2020 तक राज्य सरकार एवं अन्य द्वारा विद्युत क्षेत्र के उद्यमों मे विगत तीन वर्षों में किए गए इक्विटी निवेश को **चार्ट-1.1** में दर्शाया गया है।

चार्ट-1.1: राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों की इक्विटी में निवेश

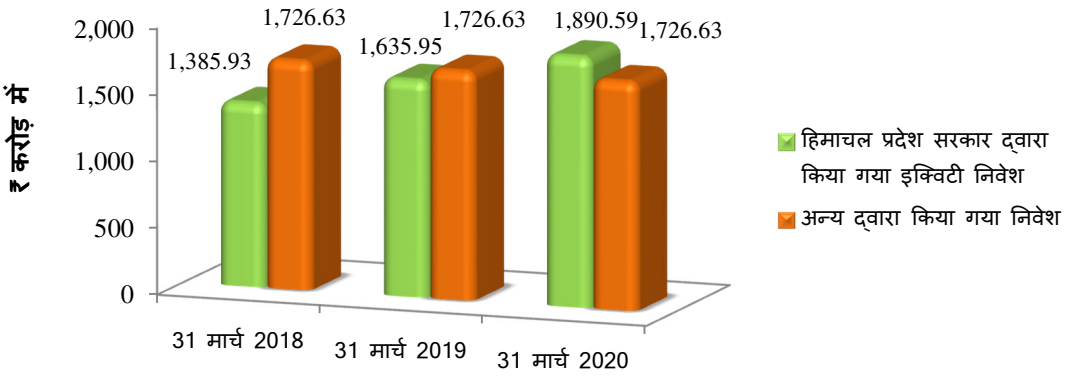

स्रोतः *विद्युत क्षेत्र के उद्यमों से प्राप्त संकलित सूचना के आधार पर।*

1.3.2 राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों को दिये गये ऋण

1.3.2.1 31 मार्च 2020 को बकाया दीर्घावधि ऋण की गणना

31 मार्च 2020 तक राज्य के चारों विद्युत क्षेत्र के उद्यमों में सभी स्रोतों से कुल बकाया दीर्घावधि ऋण ₹10,595.09 था जिसका विस्तृत विवरण **परिशिष्ट-III** में है। 31 मार्च 2020 तक राज्य के इन विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के दीर्घावधि ऋण में 31 मार्च 2019 की तुलना में ₹1,058.45 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गई। विद्युत क्षेत्र के उद्यमों का बकाया दीर्घावधि ऋण का वर्ष-वार विवरण **चार्ट-1.2** में दर्शाया गया है।

चार्ट-1.2: विद्युत क्षेत्र के उद्यमों का बकाया दीर्घावधि ऋण

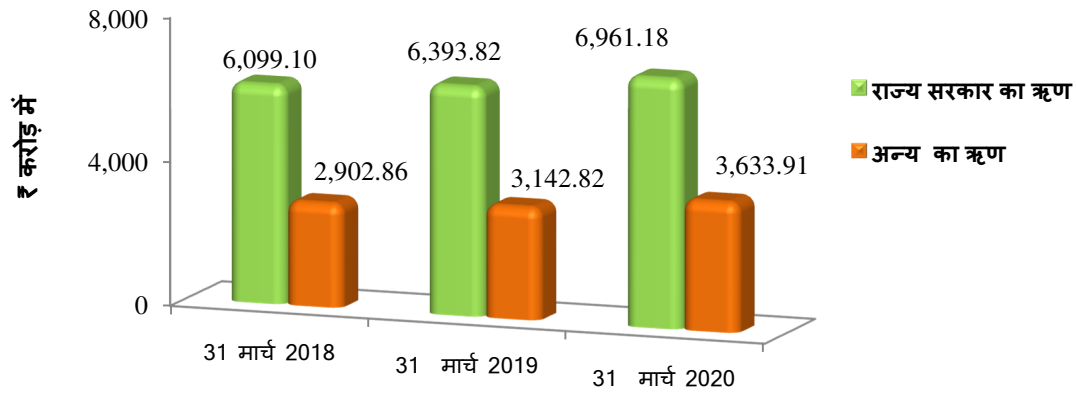

स्रोत: *राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों से प्राप्त संकलित सूचना।*

राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त दीर्घावधि ऋण सकल दीर्घावधि ऋण का 65.70 प्रतिशत (₹6961.18 करोड़) था। जबकि अन्य वित्तीय संस्थाओं से 34.30 प्रतिशत (₹3,633.91 करोड़) का दीर्घावधि ऋण लिया गया। दीर्घावधि ऋण वर्ष 2017 -18 में ₹9,001.96 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2019-20 में ₹10,595.09 करोड़ हो गया।

1.3.3 ऋण देयताओं का निर्वहन करने के लिए परिसंपत्तियों की पर्याप्तता

कुल परिसंपत्तियों से कुल कर्ज/ऋणों का अनुपात यह निर्धारित की विधियों में से एक हैं की क्या कंपनी ऋण चुकाने में समर्थ है (साल्वेंट) अथवा नहीं। सॉल्वेंट माने जाने के लिए किसी इकाई की संपत्ति का मूल्य उसके ऋणों के योग से अधिक होना चाहिए। 31 दिसंबर 2020 तक नवीनतम अंतिम रूप दिए गए लेखाओं के अनुसार बकाया ऋणों वाले राज्य के चारों विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के कुल परिसंपत्ति मूल्य से दीर्घावधि ऋण का कवरेज **तालिका-1.5** में दिया गया है।

तालिका-1.5: कुल परिसंपत्तियों से दीर्घावधि ऋणों का कवरेज

राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के नाम	*सम्पतियाँ*	*दीर्घावधि ऋण*	*सम्पतियों का दीर्घावधि ऋणों के साथ अनुपात*
	(₹ करोड़ में)		
हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड	9,209.36	4,719.12	1.95:1
हिमाचल प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड	1,966.24	1,145.80	1.72:1
हिमाचल प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड	6,414.55	1,181.72	5.43:1
ब्यास वैली पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड	1,746.34	1,397.91	1.25:1
कुल	**19,336.49**	**8,444.55**	**2.29:1**

स्रोत: *राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के अंतिम रूप दिए गए लेखों से संकलित।*

उपरोक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि राज्य के सभी विद्युत क्षेत्र के उद्यमों की सकल संपत्तियों का मूल्य सकल ऋणों/ उधारों की तुलना में अधिक था।

1.3.4 ब्याज कवरेज अनुपात

ब्याज कवरेज अनुपात का उपयोग किसी कम्पनी के बकाया ऋण पर ब्याज की भुगतान करने की क्षमता को निर्धारित करने के लिए किया जाता है और उसकी गणना ब्याज एवं कर से पहले कम्पनी के उपार्जन को उसी अवधि के ब्याज के खर्चों से विभाजित करके की जाती है। अनुपात जितना कम होगा कम्पनी की कर्ज पर ब्याज चुकाने की क्षमता उतनी कम होगी। ब्याज कवरेज अनुपात एक से कम है तो कम्पनी ब्याज के खर्चों को पूरा करने के लिए पर्याप्त राजस्व उत्पन्न नहीं कर रही है। 2017-18 से 2019-20 की अवधि के दौरान जिन विद्युत क्षेत्र की कम्पनियों में ब्याज का भार था उनका ब्याज कवरेज अनुपात नीचे **तालिका-1.6** में दर्शाया गया है:

तालिका-1.6: राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के ब्याज कवरेज़ अनुपात का विवरण

राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के नाम	2017-18			2018-19			2019-20		
	ब्याज लागत	ब्याज एंव कर से पूर्व उपार्जन	ब्याज कवरेज अनुपात	ब्याज लागत	ब्याज एंव कर से पूर्व उपार्जन	ब्याज कवरेज अनुपात	ब्याज लागत	ब्याज एंव कर से पूर्व उपार्जन	ब्याज कवरेज अनुपात
	(₹ करोड़ में)			(₹ करोड़ में)			(₹ करोड़ में)		
हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड	518.55	508.04	0.98	503.35	459.14	0.91	457.06	460.72	1.01
हिमाचल प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड	-	(-) 17.92	-	-	(-) 32.35	-	96.23	17.11	0.18
हिमाचल प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड	-	(-) 11.30	-	-	(-) 8.02	-	9.13	(-) 31.79	(-) 3.48

स्रोत: *राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के नवीनतम अंतिम रूप दिए गए लेखों के अनुसार।*

उपरोक्त तालिका के अवलोकन से पता चलता है कि केवल हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड का ब्याज कवरेज अनुपात एक से अधिक है। हिमाचल प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड तथा हिमाचल प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड का ब्याज कवरेज अनुपात एक से कम पाया गया जो कि राज्य इन विद्युत क्षेत्रों के उद्यमों के ऋणों की शोधन क्षमता के उच्चतम जोखिम को दर्शाता है। ब्यास वैली पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड का व्यावसायिक परिचालन आरंभ नहीं होने के कारण ब्याज व कर से पूर्व उपार्जन नहीं है।

1.3.5 राज्य सरकार के ऋण पर बकाया देय ब्याज की वर्ष-वार विश्लेषण

31 दिसम्वर 2020 तक नवीनतम अंतिम रूप दिए गए लेखाओं के अनुसार लाभ व हानि लेखे बना रहे राज्य के तीनों विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के सम्बन्ध में, राज्य सरकार द्वारा दिए गए दीर्घावधि ऋणों पर ₹523.55 करोड़ का ब्याज देय था। राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों में राज्य सरकार के ऋणों पर ब्याज का वर्ष-वार विश्लेषण **तालिका-1.7** में दिया गया है।

तालिका-1.7: राज्य सरकार के ऋणों पर देय ब्याज

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के नाम	राज्य सरकार के ऋणों पर देय ब्याज	राज्य सरकार के ऋण पर एक वर्ष से कम का ब्याज	राज्य सरकार के ऋण पर एक वर्ष से अधिक का ब्याज
1	हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड	36.91	0.02	36.89
2	हिमाचल प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड	193.72	75.77	117.95
3	हिमाचल प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड	292.92	292.92	-
	कुल योग	**523.55**	**368.71**	**154.84**

स्रोत: *राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के नवीनतम अंतिम रूप दिए गए लेखों के अनुसार।*

उपरोक्त तालिका से पता चलता है कि 31 दिसम्बर 2020 तक अन्तिम रूप दिए गए लेखाओं के अनुसार ₹523.55 करोड़ का उपार्जित ब्याज देय है जिसमें ₹154.84 करोड़ की राशि एक वर्ष से अधिक की देय है।

1.4 सरकारी कम्पनियों का निवेश प्रतिफल

1.4.1 राज्य के विद्युत क्षेत्रों के उद्यमों द्वारा अर्जित लाभ

31 दिसम्बर 2020 तक अन्तिम रूप दिए गए नवीनतम लेखों के अनुसार चारों विद्युत क्षेत्र के उद्यमों में से एक उद्यम (हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड) द्वारा ₹3.66 करोड़ का लाभ अर्जित किया, राज्य के दो विद्युत क्षेत्र के उद्यमों को (हिमाचल प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड एवं हिमाचल प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड) ₹120.04 करोड़ की हानि हुई तथा अन्य एक उद्यम (ब्यास वैली पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड) ने अभी लाभ एवं हानि लेखे तैयार नहीं किए हैं।

राज्य के विद्युत क्षेत्र के प्रत्येक उद्यमों की गतिविधि अनुसार अर्जित किए गए लाभ अथवा हानि में योगदान का ब्यौरा 31 दिसम्बर 2020 तक अंतिम रूप दिए गए लेखों के अनुसार **तालिका-1.8** में दिया गया है।

तालिका-1.8: 31 दिसम्वर 2020 तक राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों तथा नवीनतम अंतिम रुप दिए लेखाओं के अनुसार राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों द्वारा लाभ अर्जित करने/ हानि उठाने की गतिविधि-वार भागीदारी

गतिविधि	राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के नाम	शुद्ध लाभ अर्जित	शुद्ध घाटा हुआ
		(₹ करोड़ में)	
उत्पादन	हिमाचल प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड	-	40.92
संचरण	हिमाचल प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड	-	79.12
वितरण एंव संचरण	हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड	3.66	-

स्रोत: *31 दिसम्बर 2020 तक राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के अंतिम रूप दिए गए लेखों के अनुसार।*

राज्य के प्रत्येक विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के अंतिम रूप दिए गए लेखों के अनुसार तीनों उद्यमों में ₹116.38 करोड़ की समेकित शुद्ध हानि हुई।

1.4.2 राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों में निवल मूल्य (नेटवर्थ) का क्षरण

नेटवर्थ का अर्थ है प्रदत्त पूंजी एवं मुक्त भण्डार तथा अधिशेष के कुल योग में से संचित हानियों एवं आस्थगित राजस्व व्यय को घटाने पर प्राप्त शेष। दरअसल यह मालिकों के लिए उसकी संस्था के मूल्य का माप है। एक ऋणात्मक नेटवर्थ दर्शाता है कि मालिकों का सम्पूर्ण निवेश संचित हानियों एवं आस्थगित राजस्व व्यय के द्वारा नष्ट कर दिया गया है। ₹3,142.57 करोड़ के पूंजी निवेश के प्रति चारों विद्युत क्षेत्र के उद्यमों की संचित हानियां

₹1704.12 करोड़ थी जैसाकि **परिशिष्ट-I** में वर्णित है, जो ₹1,438.45 करोड़ के नेटवर्थ में परिणत हुई जैसाकि **तालिका 1.9** में दिया गया है। इन चारों विद्युत क्षेत्र के उद्यमों में से हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड में नेटवर्थ पूर्णत: समाप्त हो गई तथा उसके नवीनतम अंतिम रुप दिए लेखाओं के अनुसार (-)₹864.49 करोड़ था।

तालिका 1.9 राज्य के विद्युत क्षेत्रों के सभी उद्यमों की 2017-20 के दौरान नेटवर्थ को दर्शाती है।

तालिका 1.9: वर्ष 2017-18 से 2019-20 के दौरान विद्युत क्षेत्र के चारों उद्यमों का नेटवर्थ

(₹ करोड़ में)

राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के नाम	नेटवर्थ
2017-18	
हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड	-1,396.34
हिमाचल प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड	1,526.18
हिमाचल प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड	253.34
ब्यास वैली पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड	300
कुल	**683.18**
2018-19	
हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड	-1,390.57
हिमाचल प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड	1,634.03
हिमाचल प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड	274.31
ब्यास वैली पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड	300
कुल	**817.77**
2019-20	
हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड	-864.49
हिमाचल प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड	1,729.56
हिमाचल प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड	273.38
ब्यास वैली पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड	300
कुल	**1,438.45**

स्रोत: *राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के अंतिम रूप दिए गए नवीनतम लेखो के अनुसार।*

राज्य सरकार द्वारा इन विद्युत क्षेत्र के उद्यमों को पूंजीगत कार्य हेतु तथा इनकी नकदी को बेहतर बनाने के लिए 2017-20 तक की अवधि के दौरान इक्विटी निवेश के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान करती रही। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमेटेड ने 2019-20 के दौरान (वर्ष 2017-18 के बैलेंस शीट) पूर्व के राज्य विद्युत बोर्ड से सम्बन्धित ₹505.13 करोड़ की हानियों को समायोजित किया। परिणामस्वरूप विद्युत क्षेत्र की कम्पनी की संचित हानियाँ 2017-18 में ₹2,064.03 करोड़ से घटकर ₹1,704.12 करोड़ हो गई।

राज्य के चारों विद्युत क्षेत्र के उद्यमों में से वर्ष 2017-18 से 2019-20 की अवधि के दौरान एक[18] उद्यम का नेटवर्थ ऋणात्मक तथा अन्य तीन[19] उद्यमों का नेटवर्थ सकारात्मक रहा।

1.4.3 राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों द्वारा लाभांश भुगतान

राज्य सरकार द्वारा नीति निर्धारित (अप्रैल 2011) की गई है कि राज्य के सभी लाभ अर्जित करने वाले विद्युत क्षेत्र के सभी उद्यम (कल्याण एवं उपयोगिता क्षेत्र को छोड़ कर) राज्य सरकार द्वारा दी गई प्रदत्त पूंजी के अंश पर न्यूनतम पांच प्रतिशत प्रतिफल का भुगतान, कर के पश्चात लाभ का अधिकतम 50 प्रतिशत की सीमा तक करेंगे। वर्ष 2019-20 तक अन्तिम रूप दिए गए नवीनतम लेखों के अनुसार केवल विद्युत क्षेत्र के एक उद्यम (हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड) ने ₹3.66 करोड़ का लाभ अर्जित किया परंतु जिसे उपयोगिता क्षेत्र में होने के कारण लाभांश भुगतान करने की आवश्कता नहीं है।

1.4.4 राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों का इक्विटी पर प्रतिफल

इक्विटी[20] पर प्रतिफल किसी कम्पनी के वित्तीय प्रदर्शन का माप है जिसकी गणना शेयरधारकों की इक्विटी से आय (अर्थात कर के पश्चात् कुल लाभ) को विभाजित करके की जाती है। 2017-20 के दौरान विद्युत क्षेत्र के तीन उद्यमों की इक्विटी प्रतिफल की गणना नहीं की जा सकी क्योंकि इन तीन विचारणीय वर्षो में सभी विद्युत क्षेत्र के उद्यमों की या तो निवल आय अथवा नेटवर्थ ऋणात्मक थी। 31 दिसंबर 2020 तक के नवीनतम अंतिम रूप दिए गए लेखाओं के अनुसार हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड की निवल आय धनात्मक थी, परन्तु उसका नेटवर्थ उस वर्षो के दौरान ऋणात्मक था।

1.5 राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों की परिचालन दक्षता

1.5.1 उत्पादन का मूल्य

तीन वर्षों की अवधि के दौरान राज्य के विद्युत क्षेत्र के तीनों उद्यमों के उत्पादन का मूल्य, कुल परिसंपत्तियां एवं नियोजित पूंजी[21] का सार **चार्ट-1.3** में दर्शाया गया है:

---

18 *हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड।*

19 *हिमाचल प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड, हिमाचल प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड और ब्यास वैली पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड।*

20 *इक्विटी पर रिटर्न = (कर के पश्चात शुद्ध लाभ/इक्विटी) x 100, जहां इक्विटी = प्रदत्त पूंजी + मुक्त भंडार - संचित हानियां - आस्थगित राजस्व व्यय।*

21 *नियोजित पूंजी = चुकता पूंजी + मुक्त भंडार + लंबी अवधि के ऋण - संचित हानियां - आस्थगित राजस्व व्यय।*

चार्ट-1.3: उत्पादन, परिसंपतियाँ एंव नियोजित पूंजी का मूल्य

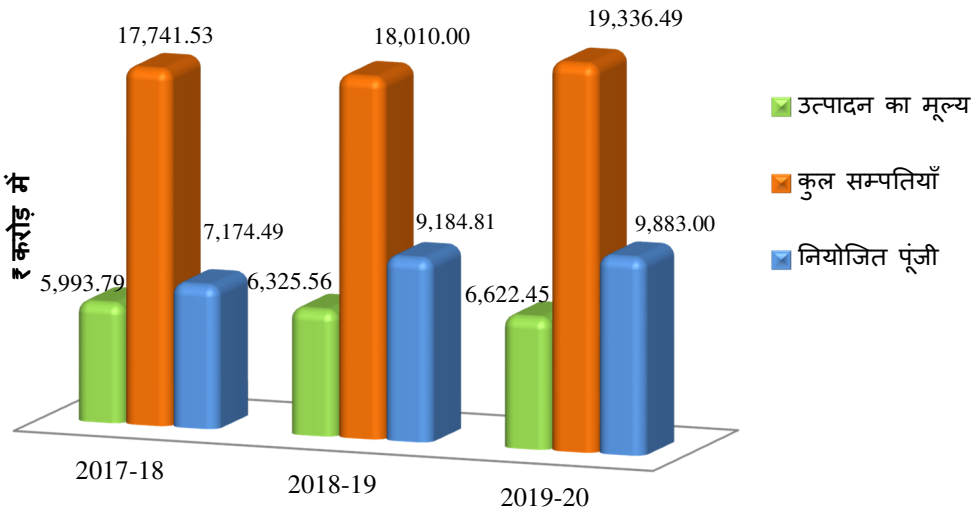

स्रोत: *राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के अंतिम रूप दिए गए लेखों के अनुसार सूचना।*

वर्ष 2017-18 से 2019-20 के दौरान राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के उत्पादन का मूल्य, कुल सम्पत्ति व नियोजित पूंजी का विवरण **तालिका 1.10** में दिया गया है।

तालिका-1.10: वर्ष 2017 -18 से 2019-20 के दौरान राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के उत्पादन का मूल्य, कुल संपत्ति और नियोजित पूंजी का उनके अंतिम रुप दिए लेखाओं के अनुसार वर्ष 2017-19 के दौरान प्रत्येक वर्ष 30 सितम्बर एवं वर्ष 2019-20 के दौरान 31 दिसम्बर 2020 तक का मूल्य

(₹ करोड़ में)

राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के नाम	उत्पादन का मूल्य	कुल सम्पत्ति	नियोजित पूंजी
2017-18			
हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड	5,980.02	9,651.99	1,850.49
हिमाचल प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड	1.65	5,679.51	3,274.42
हिमाचल प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड	12.12	1,042.04	711.36
ब्यास वैली पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड	0	1,367.99	1,338.22
कुल	**5,993.79**	**17,741.53**	**7,174.49**
2018-19			
हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड	6,291.54	9,061.76	3,171.07
हिमाचल प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड	14.71	6,054.63	3,558.10
हिमाचल प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड	19.31	1,400.63	1,002.44
ब्यास वैली पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड	0	1,492.98	1,453.20
कुल	**6,325.56**	**18,010.00**	**9,184.81**
2019-20			
हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड	6,520.76	9,209.36	3,854.63
हिमाचल प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड	83.36	6,414.55	2,911.28

राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के नाम	उत्पादन का मूल्य	कुल सम्पत्ति	नियोजित पूंजी
हिमाचल प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड	18.33	1,966.24	1,419.18
ब्यास वैली पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड	0	1,746.34	1,697.91
कुल	**6,622.45**	**19336.49**	**9,883.00**

स्रोत: *राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के अंतिम रूप दिए गए लेखों के अनुसार।*

वर्ष 2017-18 से 2019-20 तक विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के उत्पादन मूल्य, संपत्तियों तथा नियोजित पूंजी के मूल्य में निरंतर वृद्धि हुई है। उत्पादन तथा संपत्तियों में वृद्धि मुख्य रूप से सैंज हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के व्यवसायिक परिचालन शुरू होने तथा भाभा हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट की बहाली के कारण हुई जो 2015-16 के दौरान क्षतिग्रस्त हो गई थी।

1.5.2 नियोजित पूंजी पर प्रतिफल

नियोजित पूंजी पर प्रतिफल एक ऐसा अनुपात है जो किसी कंपनी की लाभप्रदता और उस दक्षता को मापता है जिसके साथ उसकी पूंजी नियोजित है। नियोजित पूंजी प्रतिफल की गणना, ब्याज एवं कर के पूर्व कंपनी के उपार्जन को नियोजित पूंजी से विभाजित करके की जाती है। वर्ष 2017-18 से 2019-20 की अवधि के दौरान राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों की नियोजित पूंजी पर प्रतिफल नीचे दी गई **तालिका-1.11** में दिया गया है।

तालिका-1.11: नियोजित पूंजी पर प्रतिफल

वर्ष	ब्याज एवं कर से पूर्व उपार्जन	नियोजित पूंजी	नियोजित पूंजी पर प्रतिफल
	(₹ करोड़ में)		(प्रतिशत में)
2017-18	478.82	7,174.49	6.67
2018-19	418.77	9,184.81	4.56
2019-20	446.04	9,883.00	4.51

स्रोत: *राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों के अंतिम रूप दिए गए लेखों के आधार पर संकलित।*

उपरोक्त तालिका से देखा जा सकता है कि ब्याज व कर पूर्व उपार्जन 2017-18 में ₹478.82 करोड़ से घटकर 2019-20 में ₹446.04 करोड़ हो गया और इन कंपनियों की नियोजित पूंजी पर प्रतिफल का प्रतिशत भी 2017-18 में 6.67 से घटकर 2019-20 में 4.51 हो गया।

यद्यपि 2018-19 की तुलना में 2019-20 में परिचालन राजस्व अधिक था, परन्तु वर्ष के दौरान अधिक पूंजी नियोजित होने के कारण नियोजित पूंजी पर प्रतिफल कम था।

1.6 निवेश का वर्तमान मूल्य के आधार पर प्रतिफल

सरकार द्वारा राज्य के तीन विद्युत क्षेत्र के उद्यमों में महत्वपूर्ण निवेश को देखते हुए राज्य सरकार इस तरह के निवेश पर आवश्यक रूप से वास्तविक प्रतिफल की दर की प्रत्यापेक्षा करती है। केवल निवेश की ऐतिहासिक लागत के आधार पर प्रतिफल की पारम्परिक गणना निवेश प्रतिफल की पर्याप्तता का एक सही संकेतक नहीं हो सकती क्योंकि ऐसी गणनाएं

वर्तमान मूल्य की अनदेखी करती है। इसलिए, इसके अलावा वास्तविक प्रतिफल की दर की गणना निवेश के वर्तमान मूल्य को देखते हुए की जाती है।

निवेश की एतिहासिक लागत को उसके वर्तमान मूल्य पर लाने के लिए प्रत्येक वर्ष की समाप्ति पर 31 मार्च 2020 तक राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा निवेशित पूर्ववर्ती निवेशों/वर्ष-वार निधियों को सरकारी उधारों पर ब्याज की वर्ष-वार औसत दर पर संयुक्त किया जाता है तथा ब्याज की यह वर्ष-बार औसत दर सम्बन्धित वर्ष हेतु सरकार के लिए निधियों की न्यूनतम लागत पर ली जाती है। इन कम्पनियों की स्थापना के बाद से 31 मार्च 2020 तक राज्य सरकार के निवेशों के वर्तमान मूल्य को इक्विटी के रूप में (परिचालन एवं प्रशासनिक व्यय हेतु व्याज रहित ऋण या अनुदान/सब्सिडी प्राप्त नहीं की गई थी) गणना की गई थी।

31 मार्च 2020 तक समाप्त प्रत्येक वर्ष पर निवेश की ऐतिहासिक लागत को उसके वर्तमान मूल्य में लाने के लिए राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों में राज्य सरकार के निवेश के वर्तमान मूल्य की गणना हेतु निम्नलिखित धारणाएं बनाई गई थी।

- जहां विद्युत क्षेत्र के उद्यमों को ब्याज रहित ऋण दिए गए थे और बाद में इक्विटी में परिवर्तित कर दिए गए थे वहां इक्विटी में परिवर्तित ऋण की राशि को ब्याज रहित ऋण की राशि से काटकर उस वर्ष की इक्विटी में जोड़ा गया।
- संबंधित वित्तीय वर्ष[22] के लिए सरकारी उधार पर ब्याज की औसत दर को वर्तमान मूल्य पर पहुंचने के लिए चक्रवृद्धि दर के रूप में अपनाया गया था क्योंकि वे वर्ष के लिए धन के निवेश के लिए सरकार द्वारा किए गए लागत का प्रतिनिधित्व करते है और इसलिए इसे सरकार द्वारा किए गए निवेश पर प्रतिफल की न्यूनतम अपेक्षित दर माना जाता है।
- सकल निवेश की गणना करते समय विनिवेश को घटाया गया है।

1.6.1 निवेश के वर्तमान मूल्य के आधार पर वास्तविक प्रतिफल की दर

इन कंपनियों की स्थापना के बाद से 31 मार्च 2020 तक इक्विटी एवं ऋण के रूप में तीनों विद्युत क्षेत्र की कंपनियों में राज्य सरकार के निवेश की कम्पनीवार स्थिति **परिशिष्ट 1.1** में इंगित की गई है। यद्यपि 31 मार्च 2020 को समाप्त विगत पांच वर्षों के दौरान राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त/किए गए कोई ब्याज रहित ऋण इक्विटी/अनुदान/ सब्सिडी/विनिवेश में परिवर्तित नहीं हुए।

---

[22] *सरकारी उधारों पर ब्याज की औसत दर संबंधित वर्ष के लिए राज्य वित्त (हिमाचल प्रदेश सरकार) पर भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट से अपनाई गई थी जिसमें भुगतान किए गए ब्याज की औसत दर की गणना = ब्याज भुगतान / [(पिछले वर्ष की वित्तीय देयताओं की राशि + वर्तमान वर्ष की वित्तीय देयताएं)/2]*100.*

31 मार्च 2020 तक इन कंपनियों की स्थापना के बाद से तीनों विद्युत क्षेत्र की कंपनियों से संबंधित राज्य सरकार के निवेश के वर्तमान मूल्य की समेकित स्थिति **तालिका-1.12** में दर्शाई गई है।

तालिका-1.12: राज्य सरकार द्वारा निवेश का वर्ष बार विवरण तथा 2007-08 से 2019-20 तक सरकारी निधियों का वर्तमान मूल्य

(₹ करोड़ में)

वर्ष	वर्ष की शुरुआत में कुल निवेश का वर्तमान मूल्य	वर्ष के दौरान राज्य सरकार द्वारा निवेशित इक्विटी	राज्य सरकार द्वारा वर्ष के दौरान दिए गए ब्याज रहित ऋण	वर्ष के दौरान परिवर्तित ब्याज रहित ऋण	परिचालन और प्रशासनिक व्यय के लिए राज्य सरकार द्वारा दिया गया अनुदान/ सब्सिडी	अंकित मूल्य पर वर्ष के दौरान राज्य सरकार द्वारा विनिवेश	वर्ष के दौरान कुल निवेश	वर्ष की समाप्ति पर कुल निवेश (viii=i+vii)	सरकारी उधार पर ब्याज की औसत दर (प्रतिशत में)	वर्ष के अंत कुल निवेश का वर्तमान मूल्य (x={viii*(1+ ix)/ 100})	वर्ष हेतु निधियों की लागत की वसूली के लिए अपेक्षित न्यूनतम प्रतिफल xi={viii*ix/100 }	वर्ष[23] के लिए कुल उपार्जन	निवेश पर प्रतिफल (xiii= xii/x*100
	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)
2007-08	-	80.11	-	-	-	-	80.11	80.11	9.09	87.39	7.28	-	-
2008-09	87.39	252.32	-	-	-	-	252.32	339.71	9.19	370.93	31.22	-	-
2009-10	370.93	288.11	-	-	-	-	288.11	659.04	8.59	715.65	56.61	-	-
2010-11	715.65	532.28	-	-	-	-	532.28	1247.93	7.78	1345.02	97.09	-152.62	-
2011-12	1345.02	98.05	-	-	-	645.85	-547.80	797.22	7.80	859.41	62.18	-152.62	-
2012-13	859.41	257.96	-	-	-	-	257.96	1117.37	8.08	1207.65	90.28	-315.94	-
2013-14	1207.65	219.75	-	-	-	-	219.75	1427.40	7.71	1537.45	110.05	-512.76	-
2014-15	1537.45	294.27	-	-	-	550.00	-255.73	1281.72	7.91	1383.11	101.38	-356.72	-
2015-16	1383.11	174.04	-	-	-	-	174.04	1557.15	7.95	1680.94	123.79	-156.88	-
2016-17	1680.94	202.78	-	-	-	-	202.78	1883.72	7.60	2026.88	143.16	-129.32	-
2017-18	2026.88	182.11	-	-	-	-	182.11	2208.99	7.71	2379.30	170.31	-39.73	-
2018-19	2379.30	250.00	-	-	-	-	250.00	2629.30	8.32	2848.06	218.76	-83.28	-
2019-20	2848.06	254.66					254.66	3102.72	7.97	3350.01	247.29	-116.38	-
		3,086.44[24]	**-**	**-**		**1,195.85**	**1890.59**						

स्रोत: *राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों एवं नवीनतम अंतिम रुप दिए लेखाओं से प्राप्त सांख्यिकीय जानकारी।*
नोट: *परिचालन एवं प्रशासनिक व्यय के लिए राज्य सरकार से कोई अनुदान/सब्सिडी नहीं मिली।*

राज्य सरकार का इन कम्पनियों में 31 मार्च 2020 तक कुल निवेश ₹1890.59 करोड़ था जो कि राज्य सरकार द्वारा किये गये विनिवेश के ₹1195.85 करोड़ के समायोजन {हिमाचल

---

[23] *वर्ष के लिए कुल कमाई उन तीन विद्युत क्षेत्र के उद्यमों से संबंधित वर्ष के लिए कुल शुद्ध कमाई (लाभ/हानि) दर्शाती है जहां राज्य सरकार द्वारा धन का उपयोग किया गया था।*

[24] *इसमें 2011-12 और 2014-15 के दौरान राज्य सरकार द्वारा किए गए ₹1,195.85 करोड़ का विनिवेश शामिल है।*

प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड ₹537.15 करोड़ (2011-12) ₹550.00 करोड़ (2014-15) एवं हिमाचल प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड ₹108.70 करोड (2011-12)} के पश्चात् था। राज्य सरकार केवल इक्विटी के रूप में निवेश किया गया तथा इस अवधि के दौरान परिचालन एवं प्रशासनिक व्ययों के प्रति कोई भी अनुदान/सब्सिडी उपलब्ध नहीं करवाई गई। 31 मार्च 2020 तक राज्य सरकार के निवेश का वर्तमान मूल्य ₹3,350.01 करोड़ था। तीनों विद्युत क्षेत्र के उद्यमों का शुद्ध अर्जन वर्ष 2019-20 के दौरान (-)₹116.38 करोड़ था। अतः वर्ष 2019-20 के दौरान इन उद्यमों का वास्तविक प्रतिफल की दर (-)3.47 प्रतिशत थी। उपरोक्त तालिका से यह भी पता चलता है कि वर्ष 2010-11 से लगातार कुल अर्जन ऋणात्मक रहा है जो यह दर्शाता है कि निवेशित पूंजी पर प्रतिफल उत्पन्न करने के स्थान पर, ये उद्यम पूंजी की लागत भी वसूल करने में सक्षम नहीं थी।

1.6.2 ऐतिहासिक लागत एवं निवेश के वर्तमान मूल्य पर प्रतिफल

31 मार्च 2020 तक राज्य सरकार ने ऐतिहासिक लागत के आधार पर ₹1,890.59 करोड़ का निवेश किया था। यद्यपि **तालिका 1.12** से स्पष्ट है कि 31 मार्च 2020 तक सभी वर्षों में राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यमों में राज्य सरकार के निवेश पर प्रतिफल ऋणात्मक रहा।

1.7 उदय (उज्ज्वल डिस्कॉम एश्योरेन्स योजना) का कार्यान्वयन

'उदय' योजना के कार्यान्वयन की स्थिति नीचे दी गई है:

1.7.1 वित्तीय बदलाव

हिमाचल प्रदेश सरकार ने ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार को 'उदय' योजना का लाभ उठाने के लिए सैद्धांतिक सहमति (18 अगस्त 2016) दी। तत्पश्चात ऊर्जा मंत्रालय, हिमाचल प्रदेश सरकार एवं राज्य डिस्काम हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड सीमित के मध्य त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर 08 दिसम्बर 2016 को हस्ताक्षर किए गए। 2016-17 के दौरान हिमाचल प्रदेश सरकार ने उदय योजना एवं त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन प्रावधानों के अनुसार 15 सितम्बर 2015 को राज्य डिस्काम से सम्बन्धित कुल बकाया ऋण (₹3,854.00 करोड़) में से कुल ₹2,890.50 करोड़ के ऋण अधिग्रहण किया।

उदय योजना के अन्तर्गत ब्याज सहित ऋण के माध्यम से उपलब्ध से करवाई गई ₹2,890.50 करोड़ की राशि को 2020-21 के दौरान 75 प्रतिशत अनुदान तथा 25 प्रतिशत इक्विटी में परिवर्तित किया जाना है।

1.7.2 परिचालन मापदण्डों की उपलब्धि

उदय योजना के तहत राज्य डिस्काम से सम्बन्धित (हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड) विभिन्न परिचालनात्मक मापदण्डों के तहत लक्ष्यों की तुलना में उपलब्धियों की स्थिति **तालिका 1.13** में दी गई है:

तालिका-1.13: 30 सितम्बर 2020 तक मापदण्ड वार उपलब्धियों की परिचालन प्रदर्शन के लक्ष्य से तुलना

उदय योजना के मापदंड	उदय योजना के तहत लक्ष्य	उदय योजना के तहत प्रगति	उपलब्धियाँ (प्रतिशत में)
फीडर मीटरिंग संख्या में (संख्या में)	मीटर पहले से स्थापित है।		
वितरण ट्रांसफार्मर पर मीटरिंग (संख्या में)	-	-	-
शहरी	मीटर पहले से स्थापित है।		
ग्रामीण	7,921	865	10.92
ग्रामीण फीडर लेखा परीक्षा (संख्या में)	पहले से की गई ऊर्जा लेखा परीक्षा		
घर जो बिजली से वंचित है (संख्या लाख में)	0.18	0.67	372
एलईडी उजाला का वितरण (संख्या लाख में)	पहले से ही वितरित		
सकल तकनीकी एवं वाणिज्यिक हानियां (प्रतिशत में)	12.75	9.47	100
औसत आपूर्ति लागत व औसत वसूली योग्य राजस्व - (₹ प्रति इकाई)	(-)0.05	0.03	92.38

स्रोत: *भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय की वेबसाईट के अनुसार उदय योजना के तहत राज्य स्वास्थ्य कार्ड।*

राज्य के विद्युत क्षेत्र के उद्यम का प्रदर्शन ग्रामीण फीडरों की ऊर्जा लेखापरीक्षा, बिना बिजली के परिवारों को बिजली देने में उत्तम रहा तथा समग्र तकनीकी व वाणिज्यिक हानि में कमी एवं औसत आपूर्ति लागत व औसत वसूली योग्य राजस्व अंतर में कमी का महत्वपूर्ण लक्ष्य प्राप्त किया गया परंतु ग्रामीण क्षेत्रों में वितरण ट्रांसफॉर्मरों की मीटरिंग करने में प्रदर्शन निराशाजनक था।

डिस्काम ने अन्य वित्तीय संस्थानों एवं बैंकों के ऋण देयता का निर्वहन करने के लिए उदय योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा दिए गए ऋण पर फरवरी 2017 से मार्च 2020 की अवधि के लिए ₹683.34 करोड़ का ब्याज का भुगतान किया। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा 7.49 व 8.19 प्रतिशत ब्याज दरों पर ऋण प्रदान किए गए।